हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 5 मई, 2025

तापमान

अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 21.4 डिग्री

12 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड...

11 एक देश एक चुनाव से देश के विकास कार्यों में तेजी...

खबर संक्षेप

हांसी। ट्रैडिंग के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

धोखाधड़ी के रुपए जमा करवाने वाला दूसरा काबू

हांसी। थाना साइबर क्राइम हांसी ने ट्रैडिंग के नाम पर चालू खाता लेकर खाते में धोखाधड़ी के रुपए डलवाने वाले मामले में दूसरे आरोपी झज्जर जिले के गांव मंथोड़ी निवासी प्रवीन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी ने सिसाय बोलान हाल दुकान नंबर 96 अनाज मंडी हांसी निवासी रणदीप की पत्नी का करंट खाता नंबर लेकर खाते में धोखाधड़ी के रुपए डलवाए थे। थाना साइबर क्राइम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। एंटी व्हीकल थेफ्ट पुलिस टीम ने ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सिसाय पुल निवासी अजय उर्फ गली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी ने दो मई को सायं करीब 6 बजे रूद्र फिटनेस जिम हांसी के सामने से मोटरसाइकिल चोरी किया था। एंटी व्हीकल थेफ्ट हांसी पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को साईं कॉलोनी हांसी से चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवती की मौत

हिसार। नजदीकी गांव धीरनवास पास अज्ञात वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे स्कूटी पर सवार 25 साल की युवती कविता की मौत हो गई जबकि उसकी मां घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार कविता अपनी मां चंपा के साथ स्कूटी पर सवार होकर बालसमंद गांव स्थित एक मंदिर में पूजा अर्चना करने गई थी। जब वापस अपनी मां के साथ लौट रही थी तो धीरनवास गांव के पास अज्ञात वाहन ने पीछे से स्कूटी को टक्कर मार दी जिस कारण में स्कूटी से गिर गई। वाहन का एक पहिया उसके सिर के ऊपर से गुजर गया और उसकी मौत हो गई। उसकी मां चंपा को मामूली चोट आई है। सूचना मिलने पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

श्री श्याम मंदिर में उमड़े श्रद्धालु।

म्हारे सिर पर घुमा दे बाबा मोर छड़ी

हिसार। सेक्टर 16-17 स्थित श्री श्याम मंदिर मे रविवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री श्याम मंडल (रजि) द्वारा संकीर्तन मे स्थानीय भजन गायकों ने बाबा श्री श्याम की महिमा का गुणगान किया। खाटू के बाबा श्याम जी म्हारी राखों के लाज, थाली भरकर लाई रे खिचड़ो ऊपर घी की बाटकी, दीनानाम मेरी बात छानी कोणी तेरे ते, भर देना मेरी झोली भर देना चरणो मे तेरे अरदास लाया हु आदि भजनों से शमां बांध दिया। संध्या आरती पश्चात भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर परमंदिर कमेटी के प्रधान विनोद अग्रवाल, रामकुमार गोयल, आशीष जैन, सुभाष बंसल, राजकुमार जैन,अजय जैन, त्रिलोक बंसल व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बायोमेट्रिक देरी से शुरू होने पर परीक्षा में कुछ देरी का विलंब

जिलेभर में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई नीट परीक्षा, 6332 में से 6196 ने दी परीक्षा, 136 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित, रही कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिले में विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर नीट की परीक्षा रविवार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा के लिए निर्धारित केन्द्रों से किसी तरह के अनुचित साधन का मामला प्रकाश में नहीं आया। एक दो परीक्षा केन्द्रों पर बायोमैट्रिक देरी से शुरू होने पर परीक्षा कुछ देरी से शुरू हुई, जिसे बाद में सुचारू कर दिया गया। एक परीक्षा केन्द्र पर छात्रा को गर्मी की वजह से चक्कर आग गया। जिले में नीट परीक्षा के लिए प्रशासन व पुलिस ने कड़े प्रबंध कर रखे थे। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर नीट परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक हुई। पूरे हिसार जिले में 6332 परीक्षार्थी में से 6196 उपस्थित व 136 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। हांसी व नारनौंद को छोड़कर अकेले हिसार की बात की जाए तो कुल 5664 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी लेकिन 129 अनुपस्थित रहे और 5535 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही पहुंचना शुरू हो गए थे परिक्षार्थी, प्रशासन पूरी तरह से रहा मुस्तैद

इन 15 परीक्षा केंद्रों पर होगी नीट की परीक्षा

जीएसएसएस मॉडल टाउन हिसार, पीएम श्री जीएसएसएस गंगवा, जीएसएसएस पटेल नगर हिसार, पीजी ब्लॉक राजकीय महाविद्यालय हिसार, सावित्रीबाई फुले ब्लॉक राजकीय महाविद्यालय हिसार, जीएसएसएस हिसार नजदीक सुशीला भवन, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हिसार कैंट, जीएमएसएसएस हांसी, राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेडरी स्कूल नारनौंद, टीचिंग ब्लॉक 7 गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार व एचएसबी गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार, राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेडरी स्कूल जहाजपुल, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, कैंपस स्कूल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।

हांसी। परीक्षा केंद्र के बाहर जांच के लिए लगी परिक्षार्थियों की लाइन। फोटो: हरिभूमि

हांसी में 472 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

हांसी। हिसार चुंगी स्थित राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट नीट-यूजी 2025 शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। सुबह करीब 10 बजे से ही परीक्षार्थी अपने परिजनों के साथ परीक्षा केंद्र के बाहर पहुंचने लगे थे लेकिन परीक्षा केंद्र में प्रवेश की प्रक्रिया सुबह 11 बजे शुरू हुई, जिसके दौरान परीक्षार्थियों को थ्री लेयर सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा। हांसी में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर 480 विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था, जिनमें से 472 ने परीक्षा दी। इस दौरान परीक्षा में लड़कियों की संख्या ज्यादा रही।

हिंदवान आश्रम के संचालक ने पंचायत से उठकर खाया जहर

नौकरी के बदले लाखों लेने के आरोपों से परेशान थे महाराज

पुलिस ने शुरू की जांच, सीसीटीवी की होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नजदीकी गांव हिंदवान स्थित सेवार्थ आश्रम एवं गोशाला संचालक सुखदेवानंद महाराज ने एक पंचायत के दौरान जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या का प्रयास किया। उन्हें गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बताया जा रहा है कि हिंदवान स्थित उनके आश्रम में पंचायत चल रही थी। पंचायत में संचालक पर नौकरी लगवाने के नाम पर एक व्यक्ति से 34 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया गया जबकि महाराज जी इससे मना कर रहे थे। बताया जा रहा है कि पंचायत में उनसे पैसे वापस देने की मांग की गई तो परेशान होकर महाराज ने यह कदम उठाया। बताया जा रहा है कि हिंदवान गांव के सेवार्थ आश्रम में रविवार को गोशाला संचालक सुखदेवानंद महाराज पर रुपये लेने के आरोपों बारे पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत में मौजूद रहे लोगों ने बताया कि दोपहर को पंचायत में बातचीत चल रही थी। महाराज सुखदेवानंद पर जींद के गांव कान्हाखेड़ी के रहने वाले दिनेश ने आरोप लगाया है कि महाराज ने उससे पैसे लिए हैं। दिनेश ने बताया कि वह आश्रम में आता रहा था। इस दौरान महाराज सुखदेवानंद ने उससे वादा किया कि वह नौकरी लगवा देंगे। बदले में 34 लाख रुपये देने होंगे।

दिनेश ने पंचायत में कहा कि उसने पैसे महाराज को दे दिए, लेकिन नौकरी नहीं लगवाई। इसके बाद जब उनके पैसे वापस मांगे तो वह देने से इनकार करने लगे। इस मामले में कई बार पहले भी पंचायत हो चुकी है। आज भी पंचायत हो रही थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन आरंभ की। पुलिस ने बाबा के आश्रम का कमरा बंद करके चाबी कब्जे में ले ली है। पुलिस का कहना है कि जिस जगह पर पंचायत चल रही थी, उस स्थल पर भी आश्रम के सीसीटीवी लगे हैं। पुलिस के अनुसार पूरे मामले की गहनता से जांच की जाएगी।

हिसार। हिंदवान आश्रम, जहां पंचायत चल रही थी। फोटो: हरिभूमि

जहर खाने के बाद बिगड़ी बाबा की तबियत

पंचायत में मौजूद लोगों ने बताया कि महाराज बार-बार कह रहे थे कि उन्होंने पैसे आगे दे दिए, जिससे दिनेश की नौकरी लगने वाली थी। वह पैसे खा गया। अब उनके पास देने के लिए पैसे नहीं हैं। इस पर दिनेश का कहना था कि उसने पैसे महाराज को दिए थे तो उन्हीं से वापस लेगा। बताया जा रहा है कि इन आरोपों से परेशान होकर महाराज आश्रम के कमरे में गए। उन्होंने एक पुड़िया में से चूहे मारने की दवाई निकाली और निगल ली। इससे बाबा की तबीयत बिगड़ गई। पंचायत में मौजूद लोगों ने महाराज को हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

सरसाना माइनर में ट्रीटमेंट प्लांट का जहरीला पानी डालने से रोष

- 20 गांवों के ग्रामीणों के जीवन से किया जा रहा खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गंगवा गांव के नजदीक ट्रीटमेंट प्लांट का जहरीला पानी सरसाना माइनर ड्रेन में डालने के लिए एक पंपसैट लगाया गया है जिससे सरसाना माइनर में लगभग 20 गांव के वाटर जलघर में पानी जाएगा। विभाग व अधिकारियों के इस रवैये से ग्रामीणों में रोष है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एव पूर्व जिला पार्षद सूबे सिह आर्य ने बताया कि ये गांव सरसाना माइनर भेरिया माइनर पर लगते हैं।

हिसार। सरसाना माइनर पर लगाया गया पंपसैट। फोटो: हरिभूमि

इन गांवों के ग्रामीणों ने इसका कड़ा विरोध जताते हुए इस पंप हाउस को तुरंत प्रभाव से बंद करने की मांग उठाई है। इसी को लेकर गांव टोकस, पातन, हिंदवान, रावलवास खुर्द, सीसवाला, भिवानी रोहिल्ला, सरसाना, बासड़ा, गोरछी, पनिहार, गावड़, चौधरीवास, भेरियां, रावलवास कलां, मुकलान, देवा आदि के ग्रामीण उपायुक्त से भी मिले थे। उन्होंने नलवा हलके के विधायक रणधीर पनिहार व कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को भी इस बारे में अवगत करवा दिया है।

शंभूनाथ केसरी ने क़ी पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता से भेंट

हिसार। भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ, बिहार प्रदेश के प्रभारी शंभू नाथ केसरी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. कमल गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात हिसार स्थित उनके मलिक चौक स्थित आवास पर हुई। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक विषयों सहित लघु और कुटीर उद्योगों की वर्तमान स्थिति और उनके भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। श्री केसरी ने बिहार सहित देशभर में लघु उद्योगों की समस्याओं व उनके समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। डॉ. कमल गुप्ता ने भी लघु उद्योगों को स्वावलंबन व रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बताते हुए इनके प्रोत्साहन के लिए अपनी सकारात्मक राय रखी।

पुलिस ने छः आरोपियों के खिलाफ किया केस

बरवाला। बरवाला में एक परिवार पर पड़ोसियों द्वारा हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। इस हमले में विनोद कुमार, उनकी पत्नी सलोचना, बेटी ममता और दामाद सोनू घायल हो गए है। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घायल विनोद कुमार ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि शनिवार शाम लगभग 7 बजे जब वो अपने घर पर थे, तभी बाहर शोर सुनाई दिया। बाहर जाकर देखा तो उनकी बेटी ममता और दामाद सोनू के साथ पड़ोसी रामफल, उनकी पत्नी, बेटी पूजा, बेटों अमन और दीपक तथा पूजा के पति बीनू गाली-गलौच और मारपीट कर रहे थे।

मुठभेड़ के दौरान पकड़े बदमाशों से अपराध के राज जानेगी पुलिस

- देर रात मुठभेड़ के बाद नाबालिग सहित दो अपराधी धरे गए, एक को लगी गोली
- दो अवैध पिस्तोल, चार कारतूस व एक खाली खोल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सदर क्षेत्र के गांव तलवंडी राणा के पास शनिवार देर रात मुठभेड़ के बाद पकड़े गए एक नाबालिग को जहां अभिरक्षा में भेज दिया गया है वहीं दूसरे आरोपी राजेश उर्फ राठी का इलाज जारी है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पूछताछ के दौरान पुलिस उक्त आरोपी से विभिन्न क्षेत्रों में हुई आपराधिक घटनाओं के राज जानने का प्रयास करेगा। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा हो सकता है। सदर क्षेत्र के गांव तलवंडी राणा के पास शनिवार देर रात पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के बाद नाबालिग सहित दो बदमाशों को काबू किया गया था। इनमें एक बदमाश जींद जिले के फरेण गांव निवासी राजेश उर्फ राठी के पैर में गोली लगी थी, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने बदमाशों से दो अवैध पिस्तोल, चार कारतूस व एक खाली खोल बरामद किए। मामले की जानकारी देते हुए सीआईए प्रभारी उप निरीक्षण कर्ण सिंह ने बताया कि पुलिस टीम शनिवार देर रात गश्त के दौरान एयरपोर्ट चौक के पास थी कि उसी समय सूचना मिली मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति हथियारों सहित गांव तलवंडी राणा में कोई वारदात करने की फिराक में है। सूचना के बाद पुलिस टीम गैस प्लांट से गांव तलवंडी राणा की तरफ पहुंची तो सामने से एक मोटरसाईकिल आता दिखाई दिया। नजदीक आने पर मोटरसाइकिल चालक ने पुलिस की गाडी को देखकर मोटरसाइकिल को कच्चे रास्ते पर भगाया।

हिसार। अस्पताल में भर्ती पुलिस की गोली से घायल बदमाश राजेश उर्फ राठी।

यह है पुलिस का आरोप

पुलिस ने दोनों आरोपियो पर सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने, पुलिस पर जानलेवा हमला करने व शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। उप निरीक्षक कर्ण सिंह के अनुसार पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उक्त आरोपियों ने 1 मई को हांसी के एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर फायरिंग की थी।

रात्रि उपद्रव व चोरी की घटना से मोहल्लेवासियों में रोष

- रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव के घर के सामने हुआ घटनाक्रम
- अनुशासनहीन युवाओं पर लगाम लगाने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर के प्रतिष्ठित रामपुरा मोहल्ले में शनिवार देर रात उपद्रव और चोरी की एक घटना ने स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार देर रात्रि कुछ युवक झुंड में घूमते हुए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव कृष्ण जैन के घर के सामने पहुंचे और वहां हंगामा करते हुए ट्रैफिक कोन उठा ले गए। मोहल्लावासियों का कहना है कि यह घटना केवल एक सामान्य शरारत नहीं मानी जा सकती, क्योंकि ऐसी घटनाएं पहले भी घट चुकी हैं। क्षेत्र में स्थित पीजी बॉयज में रह रहे कुछ युवक देर रात सार्वजनिक स्थानों पर शोर-शराबा करते हैं और अब उनकी गतिविधियाँ चोरी जैसे अपराधों तक पहुंच गई हैं। यह न केवल स्थानीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि भविष्य में किसी बड़ी अप्रिय घटना की भूमिका भी बन सकती है।

हिसार। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार रामपुरा मोहल्ले में घटनास्थल के पास का दृश्य।

घटनाओं पर गहरा दुख जताया

फिलहाल ये छोटी घटनाएं लग सकती हैं, लेकिन अगर इन्हें रोका नहीं गया तो आने वाले समय में इनसे बड़ी घटनाएं भी जन्म ले सकती हैं। हम मोहल्ले की शांति और सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बार-बार की ऐसी घटनाएं अब असहनीय होती जा रही हैं। पीजी संचालकों को भी चाहिए कि वे अपने यहां रहने वाले युवकों पर निगरानी रखें और उन्हें अनुशासित व्यवहार के लिए प्रेरित करें।

नवनिर्वाचित जिला प्रधान विवेक शर्मा का किया स्वागत

विवेक शर्मा 20 वोटों से जीत कर बने जिला प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, हरियाणा इकाई हिसार का चुनाव जिला प्रधान जय भगवान बडाला की पदोन्नति उपरांत पद रिक्त होने पर राजकीय मॉडल संस्कृति पाठशाला में किया गया। इस दौरान संघ के सभी खंड कार्यकारणी व जिला कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे और नए अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया पर्यवेक्षक देवेंद्र सिंह दहिया के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस प्रक्रिया के दौरान विभिन्न खण्ड प्रधानों ने अपने विचार रखें। इस अवसर पर राज्य संगठन सचिव अनिल कुंडू, खंड प्रधान हिसार द्वितीय सुरजीत कुमार, खंड नारनौंद प्रधान जितेंद्र इंदौरा, खंड हिसार प्रथम प्रधान वेदपाल रायपुर, खंड हांसी प्रथम प्रधान राजेश यादव, खंड हांसी द्वितीय प्रधान अनिल बेरवाल, खंड अग्रोहा प्रधान ओमप्रकाश कुलेरी, खंड उकलाना प्रधान प्रमोद शर्मा, खंड आदमपुर से राजकुमार, राजेश जेवरा, हरि राम पानू, रमेश सिहाग, रमेश सहारण, सुनीता, सरोज, सुशीला ,निर्मला देवी, मुरादी लाल व धर्म सिंह आदि रहे।

बरवाला। नवनिर्वाचित जिला प्रधान विवेक शर्मा का स्वागत करते जयभगवान बडाला व अन्य। फोटो: हरिभूमि

अध्यापकों के हित के लिए सहेंगे समर्पित

नवनियुक्त जिला प्रधान विवेक शर्मा ने भविष्य में सभी को साथ लेकर व सामूहिक रूप से अध्यापकों के हित के फैसले लेते हुए निरंतर कार्य करने का आश्वासन दिया और सभी को साथ लेकर चलने की बात कही। जिला महासचिव राकेश गोदारा ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाने में अहम भूमिका निभाई।

चुनाव में कुल 47 वोट पड़े

मुख्य शिक्षक समुन्द्र सिंह ने चुनाव प्रक्रिया की अध्यक्षता की। चुनाव प्रक्रिया राज्य चेयरमेन राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा देवेंद्र दहिया, खंड रतिया फतेहाबाद मिथिलेश रोहिला व भारत गोयल ने पर्यवेक्षक के तौर पर चुनाव को संपन्न कराया। प्रक्रिया में तीन उम्मीदवारों ने अपना नामांकन किया। चुनाव में कुल 47 वोट पड़े। विवेक शर्मा ने 32 वोट प्राप्त किए और दूसरे स्थान पर रहे राजेंद्र जांगड़ा को 12 वोट प्राप्त हुए। विवेक शर्मा 20 वोटों के अंतर से जीत कर जिला प्रधान निर्वाचित हुए। जयभगवान बड़ाला ने नवनिर्वाचित प्रधान को शुभकामनाएं दीं व अध्यापक हितों में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ब्रह्म सरोवर

कुरुक्षेत्र जिले के थानेसर में स्थित ब्रह्म सरोवर एक प्राचीन और पवित्र सरोवर है। यह सरोवर हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भगवान ब्रह्मा ने इसी भूमि से ब्रह्मांड की रचना की थी। सूर्यग्रहण के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर लाखों लोग ब्रह्मसरोवर में स्नान करते हैं। कई एकड़ में फैला हुआ यह तीर्थ वर्तमान में बहुत सुन्दर एवं सुसज्जित बना दिया गया है।

पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का तीर्थ है फल्गु

कुरुक्षेत्र के सात वनों में प्रसिद्ध फलकीवन में ही फल्गु तीर्थ सुशोभित है। हरियाणा प्रदेश के कैथल जिले के गांव फरल में स्थित यह तीर्थ स्थान कैथल से 25 किलोमीटर, कुरुक्षेत्र से 27 और पेहवा से 20 किलोमीटर ढाण्ड-पूण्डरी मार्ग पर लगभग दोनों के मध्य स्थित है। फल्गु तीर्थ के कारण ही गांव का नाम भी फरल पड़ा। इस तीर्थ का वर्णन महाभारत, वामन पुराण मत्स्य पुराण तथा नारद पुराण में उपलब्ध होता है।

धर्मस्थल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

संसार के जिन स्थानों पर सबसे पहले मानव सभ्यता का विकास हुआ, उनमें कुरूक्षेत्र का नाम अग्रगण्य है। सरस्वती एवं दृषद्वती जैसी पवित्र नदियों की इस धरा पर वैदिक सभ्यता का उद्भव हुआ। भारतीय धर्म, दर्शन, कला, साहित्य आदि के विकास में प्रथम सृजन यहीं हुआ।

कृष्ण यजुर्वेद की मैत्रायणी शाखा में कुरूक्षेत्र का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद से प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यों की प्रमुख जातियां भरत एवं पुरू भी इसी पावन धरा से जुड़ी रही हैं। जिनके सम्मिश्रण से कुरू नामक जाति का आविर्भाव हुआ। कुरूक्षेत्र यानि कुरूओं का क्षेत्र। इसलिए ही इसे कुरूक्षेत्र कहा गया है। वामन पुराण के अनुसार दृषद्वती नदी सरस्वती के साथ-साथ वही नदी है जिसने कुरूक्षेत्र धरा को गरिमा प्रदान की है। इस नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन (फरल) रहा है। हालांकि वर्तमान समय में दृषद्वती के बहने के मार्ग के अवशेष मात्र शेष हैं, जो फरल गांव के पूर्व दिशा में स्थित हैं। 48 कोस कुरू भूमि हरियाणा के कुरूक्षेत्र, कैथल, करनाल, जीन्द एवं पानीपत जिलों में फैली हुई है। महाभारतानुसार उत्तर-पूर्व में रंतुक यक्ष (बीड़ पीपली के पास) पश्चिम में अरंतुक यक्ष (कैथल में बेहर गांव के पास) दक्षिण-पश्चिम में रामहद यक्ष (जिला जीन्द में रामराय के पास) एवं दक्षिण पूर्व में मचक्रुक यक्ष (जिला पानीपत में शींख के पास) का स्पष्ट वर्णन मिलता है। इस प्रकार इन चार यक्षों द्वारा रक्षित इस आयताकार 48 कोस की भूमि में 360 तीर्थों की उपस्थिति मानी जाती है। कुरूक्षेत्र की पवित्र भूमि प्राचीन काल में घने वनों से आच्छादित थी। वामन पुराण में कुरूक्षेत्र भूमि में स्थित सात वनों का स्पष्ट नामोल्लेख मिलता है। जैसे - काम्यक वन, अदिति वन, व्यास वन, फलकीवन, सूर्यवन वन, मधुवन तथा शीतवन। वामन पुराण के अनुसार इन पुण्यशाली वनों के नाम का उच्चारण करते ही मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं-

श्रृणु सप्त वनानीह कुरुक्षेत्रस्य मध्यतः।
येषां नामानि पुण्यानि सर्वपापहराणि च।
काम्यकं च वनं पुण्यं दितिवनं महत्।
व्यासस्य च वनं पुण्यं फलकीवनमेव च ।

कुरूक्षेत्र के सात वनों में प्रसिद्ध फलकीवन में ही फल्गु तीर्थ सुशोभित है। हरियाणा प्रदेश के कैथल जिले के गांव फरल में स्थित यह तीर्थ स्थान कैथल से 25 किलोमीटर, कुरूक्षेत्र से 27 और पेहवा से 20 किलोमीटर ढाण्ड-पूण्डरी मार्ग पर लगभग दोनों के मध्य स्थित है। फल्गु तीर्थ के कारण ही गांव का नाम भी फरल पड़ा। इस तीर्थ का वर्णन महाभारत, वामन पुराण मत्स्य पुराण तथा नारद पुराण में उपलब्ध होता है। महाभारत वन पर्व में तीर्थ यात्रा प्रसंग के अन्तर्गत इस तीर्थ के महत्व के विषय में स्पष्ट उल्लेख है:

ततो गच्छेत राजेन्द्र फलकीवनमुत्तमम्।
तत्र देवाः सदा राजन् फलकीवनमाश्रिताः।
तपश्चरन्ति विपुल बहुवर्षसहस्त्रकम्।

श्री फल्क ऋषि मंदिर

फरल में स्थित फल्गु तीर्थ

अर्थात तत्पश्चात मनुष्य को देवों द्वारा देवताओं ने हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की। बिल्कुल ऐसा ही वामन पुराण में भी उपलब्ध होता है, जहां लिखा है कि तत्पश्चात देवता, गन्धर्व, साध्य एवं ऋषि लोगों को दिव्य निवास वाले उस फलकीवन में जाना चाहिए जहां देव, गन्धर्व, सिद्ध एवं ऋषि सदैव तपस्यारत रहते हैं।

महाभारत के अनुसार इस तीर्थ में स्नान करने एवं देवताओं का तर्पण करने से मनुष्य अग्निष्टोम तथा अतिरात्र यज्ञों के करने से कहीं अधिक श्रेष्ठतर फल को प्राप्त करता है। वामन पुराण में भी लिखा है कि इस तीर्थ में स्नान करने से तथा देवताओं का तर्पण करने से मनुष्य अग्निष्टोम तथा अतिरात्र यज्ञों से भी अधिक फल प्राप्त करता है। वामन पुराण के 36 में अध्याय के श्लोक संख्या 49 और 50 में वर्णित है-

''सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन।
यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम्।।
गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणति नित्यशः।
श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।"

अर्थात ''अमावस्या (सोमक्षय) होने पर सोमवार के दिन जो मनुष्य श्राद्ध करता है, उसे बहुत अधिक पुण्य प्राप्त होता है। फल्कीवन में फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को वैसा ही तृप्त और सन्तुष्ट करता है जैसा कि गया जी में किया हुआ श्राद्ध नित्य ही पितृगण (पितरों) को प्रसन्न करता है। फलकीवन (कैथल) स्थित फल्गु तीर्थ के बारे बात करें तो सर्वप्रथम जिस बात का उल्लेख आवश्यक है वह 'श्री फल्गु ऋषि' का जिक्र है। आखिर उनके तप का ही प्रभाव है कि आज यह क्षेत्र प्रसिद्ध है। उनके नाम से ही यह वन फल्कीवन हुआ। ऋषिवर इस वन में तपस्या करते थे। पुराणानुसार एवं लोक किंवदंतियों में कहा जाता है कि उनके तपस्या काल में प्रसिद्ध गया जी तीर्थ बिहार पर गयासुर का राज्य था। गयासुर की यह प्रतिज्ञा थी कि जो उसे युद्ध में पराजित कर देगा उसके साथ वह अपनी तीनों पुत्रियों का विवाह करेगा। उस समय फल्गु तीर्थ यानी फलकी वन में फल्गु ऋषि तपस्या कर रहे थे। गयासुर से त्रस्त लोगों और देवताओं के अनुरोध से जब उन्हें गयासुर की प्रतिज्ञा का पता चला तो गृहस्थ आश्रम को सर्वश्रेष्ठ समझकर वहां गए और शास्त्रार्थ में गयासुर को पराजित करके उसकी तीनों कन्याओं के साथ विवाह कर लिया एवं गृहस्थी बने। दहेज में गयासुर ने गया जी में पितृतृप्ति हेतु किए जाने वाले कार्यों में मिलने वाले फल का वर भी दिया।

इस पावन तीर्थ पर फल्गु ऋषि के मन्दिर के अलावा भी कई सुन्दर मन्दिर हैं। यहां सरोवर के घाट के पास अष्टकोण आधार पर निर्मित 17वीं शताब्दी की मुगल शैली में बना शिव मन्दिर है जो लगभग 30 फुट ऊंचा है। यहां स्थित सरोवर की लम्बाई 800 फुट और चौड़ाई 300 फुट है। मुगल शैली में एक और शिव मन्दिर है जो लगभग 20 फुट ऊंचा है तथा आकार में वर्गाकार है। वर्ग की एक भुजा 9 फुट 6 इंच है। यहीं एक अन्य मन्दिर जो राधा-कृष्ण का भी है जो नागर शैली में बना हुआ है। इसका शिखर शंकु आकार का है। इन सभी उपरोक्त वर्णित मन्दिरों में निर्माण के दौरान लाखौरी ईंटों का इस्तेमाल किया गया है एवं परवर्ती काल में इनका जीर्णोद्धार आधुनिक ईंटों के द्वारा किया गया है। घाट के पास ही एक अत्यन्त प्राचीन वट वृक्ष है जिसे लोग श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। हाल ही में फल्गु तीर्थ के बीच एक नए मंदिर का निर्माण भी जन सामान्य ने सहयोग और आस्था से किया है। इसके अतिरिक्त फरल से ही कुछ तीर्थ और जुड़े हैं। जैसे गांव फरल से 2 किलोमीटर के सम्पर्क मार्ग द्वारा पणिश्वर तीर्थ पर पहुंचा जा सकता है। यह तीर्थ पवन पुत्र हनुमान से संबंधित है; जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट भी है। महाभारत में इस नाम से किसी तीर्थ का वर्णन प्राप्त नहीं होता, परन्तु महाभारत के अनुशासन पर्व के दसवें अध्याय में पाणिखात के नाम से एक तीर्थ उल्लेख है जिसके बारे में धारणा है कि वही पाणिखात पणिश्वर है। इस तीर्थ में स्नान करने के पुण्य के विषय में कहा गया है कि यहां स्नान करने से मनुष्य को एक हजार गाय दान करने के समान फल मिलता है। आगे कहा गया है कि जो मनुष्य पणिश्वर तीर्थ में पितृ-तर्पण करता है वह राजसूर्य यज्ञ के फल का उपयोग करता है। इस तीर्थ पर वर्तमान में हनुमान जी का भव्य मंदिर है जिसमें बजरंगबली की सुंदर प्रतिमा है। निःसंकोच कहा जा सकता है कि –

'तीर्थ स्तरन्ति प्रवतो महीरीति, यज्ञकृतः सुकृतो येन यन्ति।'

मनुष्य तीर्थों के सहारे बड़ी से बड़ी विपत्तियों से तर जाता है। बड़े से बड़े पाप तीर्थ सेवन से समाप्त हो जाते हैं और तीर्थ स्थान करने वाला महान यज्ञ करने वालों के रास्ते से ही स्वर्ग जाता है।

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

एक डीलर आग्या रै

एक डीलर आग्या रै, एक डीलर आग्या रै.
म्हारे घेर म्हँ साँझ नै, एक डीलर आग्या रै.
एक डीलर एक डीलर, एक डीलर आग्या रै.

बीच गली म्हँ एक गाड़ी नै, होरण तेज बजाया.
लाम्बी गाड़ी देख बारणै, बाबू भी हर्षाया.
न्यू बोल्या वो बाबू तैं मैं, ऑफर बढ़िया ल्याया.
उसने बाबू के कान म्हँ, कील्ले का रेट बताया
फेर भा सुण कै न बाबू कै, भी जी सा आग्या रै ...

न्यू बोल्या वो इस खेवट का, नम्बर खास नहीं सै.
रेट भतेरे बढ़ लिए ईब, आग्गै आस नहीं सै.
दवा बहम की चाचा चतरू, म्हारे पास नहीं सै
धोखे आलै काम क धोरै, गंगादास नहीं सै.
फेर हाथ होक्के पै धर कै, कती नेम ठाग्या रै...

भा सुणकै ना मेरा बाबू, फूल्या नहीं समाया.
एक बेच कै पाँच दिवा दूँ, न्यूँ भी वो बहकाया.
टोकन मनी दे कै उसने, ब्याना तुरत लिखाया
भांग कै भाड़ै धरती दे के, भोत घणा पिछताया
फेर म्हारी इस डील म्हँ वो, कई लाख कमाग्या रै...

खेत बेच कै सबके होग्ये, नख्शे हाई - फाई,
माणस गैल्या गाड़ी होग्यी, घर -घर वाई -फाई.
कह गुलिया इब बैरी होग्ये, खुद भाई के भाई,
आपस का रसूख देख ल्यो, होग्या हवा - हवाई
बाबू कहता फिरै घोल कै, वोह मन्नै प्याग्या रै ...

कविता | **भूपसिंह 'भारती'**

घर-घर म्ह पेड़ लगाओ

पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।
रुदन सुणो ये रो रो कहरे, ना हमनै काट बगाओ।।

धरती का सिंगार करा हम, न्यारी म्हारी माया।
मीठे मीठे फल देवां हम, देवां सीली छाया।
हरा भरा हो घर भाया, जै घर में पौधे लाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

बरखा नै हम लेकै आवां, कती करां ना टाला।
मरते-मरते इंधन देवा, सै म्हारा काम निराला।
घर-घर म्ह पेड़ लगाकै, प्रदूषण नै भगाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

पीवण नै हम पाणी देते, अन्न देते खाणे को।
ऑक्सीजन पैदा करते, जीवन नै बचाणे को।
जै चाहो सो जीणा तो, म्हारी तादाद बढ़ाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

इस दुनिया म्ह सुणलो लोगों, पेड़ ही सच्चे साथी।
हर हालत में साथ निभावै, बणकै देख हिमाती।
कह 'भारती' पौधगिरी की, मिलकै अलख जगाओ।
पर्यावरण बचाणा से तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक | **फरजाना उर्फ समरु ने करीब 50 वर्षों तक गुड़गांव क्षेत्र पर शासन किया, तब अंग्रेज भी उसकी सैन्य ताकत से खतरा अनुभव करने लगे थे**

तवायफ से तख्तोताज तक पहुंची थी बेगम समरु

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

बड़ोत कस्बे के समीप कुताना गांव में पैदा होने वाली लड़की फरजाना एक विख्यात शासक बनी थी। उसने लगभग 50 वर्षों तक गुड़गांव क्षेत्र पर शासन किया तथा झाड़सा के पास एक बड़ी छावनी भी बना ली थी। बता दें कि वर्ष 1760 के आसपास फरजाना की विधवा माता गरीबी से तंग आकर दिल्ली आ गई। तब फरजाना की उम्र 8-10 वर्ष थी और उसकी माता पहले दिल्ली में तवायफ रह चुकी थी, जिसको कुताना गांव का असद खां खरीद ले गया था।

दिल्ली पहुंचकर भी वह अपने पुराने पेशे वाले स्थान पर नहीं गई। क्योंकि वह फरजाना को किसी भी सूरत में अपने पुराने पेशे में नहीं डालना चाहती थी। इसलिए दिल्ली पहुंचकर वे दोनों जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर ठहर कर भीख तक मांगने लग गई। 20-25 दिनों बाद ही बुखार से ग्रस्त होकर फरजाना की माता की मृत्यु हो गई। तब रोती बिलखती देखकर फरजाना को वहां से गुजरने वाली खानुम जान नामक तवायफ अपने साथ ले गई। जहां फरजाना की माता उसको नहीं ले जाना चाहती थी, भाग्य के करिश्मे से फरजाना वहीं चावड़ी बाजार पहुंच गई। कुछ ही वर्षों में फरजाना नाच गाने में दक्ष हो गई। तभी वर्ष 1765 में भरतपुर शासक जवाहर सिंह ने दिल्ली पर आक्रमण किया था। उसका सेनापति जनरल समरु था जो फरजाना को 5000 रुपये में खानुम जान से खरीद कर अपने साथ भरतपुर ले गया और फरजाना बेगम समरु बन गई तथा आगरा में रहने लग गई। फिर जनरल समरु ने भरतपुर की नौकरी छोड़कर दिल्ली शाही वजीर नजफ खां की नौकरी पकड़ ली। नजफ खां ने बेगम समरु को झज्जर तथा मेरठ के पास सरधना की दो जागीर प्रदान कर दी। वह मूल रूप से ऑस्ट्रीया का निवासी था जो भारत में रोजगार के लिए आया था। बेगम समरु और जनरल समरु का साथ 12-13 वर्षों तक ही रहा क्योंकि वर्ष 1778 में जनरल समरु की मृत्यु हो गई। तब दिल्ली बादशाह ने उसकी दोनों जागीरों को शासक बेगम समरु को प्रदान कर दिया। बेगम समरु ने कुशलतापूर्वक प्रशासनिक कार्यों को सम्भाला तथा झज्जर क्षेत्र पर तीन प्रशासक राय गोपीनाथ, चौधरी साहब सिंह व मजलिस राय को नियुक्त कर दिया और स्वयं सरधना में रहने लग गई। जहां उसने एक विशाल सेना गठित कर ली तथा यूरोपीय सेना अधिकारियों को नियुक्त कर लिया। उल्लेखनीय है कि झज्जर बादशाह अकबर के काल से ही एक शासकीय इकाई बना रहा था जिसके तहत चार परगने झज्जर खास, बेरी-दुबलधन, दादरी तोए और मान्डौठी आते थे। लेकिन बेगम झज्जर की हाकिम केवल सात वर्षों (1778 से 1785 तक) तक ही रही। उसके बाद बादशाह ने बेगम समरु को झाड़सा-बादशाहपुर की जागीर भी दे दी। इसके तहत साढराणा तक के गांव आते थे और गुड़गांव तब तक एक गांव मात्र था। फिर बेगम इतनी शक्तिशाली हो गई कि उसने झाड़सा के पास विशाल सैनिक छावनी ही गठित कर डाली। वर्ष 1803 से दिल्ली पर अंग्रेजों का अधिकार होने पर भी बेगम समरु की दोनों जागीर सरधना व झाड़सा (गुड़गांव) ऐसे ही बनी रही।

बेगम समरु का चित्र तथा उनके द्वारा सरधना में बनवाई गई चर्च जो आज भी विद्यमान है।

बेगम समरु जनवरी 1836 में निःसन्तान स्वर्ग सिधार गई। उसके बाद अंग्रेजों ने उसकी सभी छावनियों व क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। बेगम के बनाए हुए विशाल चर्च व महल सरधना व दिल्ली में आज भी विराजमान हैं।

बेगम समरु इतनी शक्तिशाली सैन्य ताकत बन गई थी कि अंग्रेजों को उससे खतरा अनुभव होने लग गया था। इसके परिणाम स्वरूप उनको भी झाड़सा से दूर एक नई छावनी बनानी पड़ी जिसको हिदायतपुर छावनी कहा जाता था। इस तरह उस ऐतिहासिक हस्ती बेगम समरु ने वर्ष 1836 तक शासन किया तथा जनवरी 1836 में वह निःसन्तान स्वर्ग सिधार गई। अंग्रेजों ने उसकी सभी छावनियों व क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। बेगम के बनाए हुए विशाल चर्च व महल सरधना व दिल्ली में आज भी विराजमान हैं।

समाज को संस्कृति से जोड़ने में कला का अहम योगदान : रवि मोहन

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में विभिन्न विधाओं में कलाकारों की अहम भूमिका है। ऐसे ही कलाकारों में रंगमंच के अभिनेता रवि मोहन भी शामिल है, जिन्होंने बॉलीवुड तक का सफर तय करने के बावजूद अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए समाज को सकारात्मक संदेश देने के मकसद से अपनी कला को बुलंदियों तक पहुंचाया है। साहित्यिक नाटकों, कहानियों के मंचन और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर अपनी कला के संसार को दिशा देने का प्रयास किया है। अभिनेता, थिएटर निर्देशक और रंगकर्मी रवि मोहन ने अपनी कला के सफर को लेकर कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिससे समाज को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने में कला महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

हरियाणा के लोक कलाकार रवि मोहन का जन्म 11 मई 1975 को रास बिहारी और अनीता भारद्वाज के घर में हुआ। उनके परिवार में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल तो नहीं था, लेकिन उनके पिता कभी अपनी शादी से पहले कैथल में रामलीला में किरदार करते थे। उनका परिवार 46 साल पहले सफीदों आ गया था। बकौल रवि मोहन, उनकी शिक्षा सरकारी स्कूल से हुई और कॉलेज पास आउट करने के बाद उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आधुनिक इतिहास में एमए की। उसके बाद एमफिल भी की। कला के क्षेत्र में अपनी अभिरुचि के बारे में रवि मोहन ने बताया कि स्कूली शिक्षा के दौरान उन्हें कभी-कभी मंच पर ग्रुप सॉन्ग और छोटे-छोटे अभिनय करने का सौभाग्य मिला। कॉलेज के दौरान उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मौका मिला और उनकी कला से उन्हें सम्मान मिला, क्योंकि वह कॉलेज में भी एनसीसी की क्विज कांटेस्ट, गेम सॉन्ग, फैंसी ड्रेस, नाटक, नृत्य और गाना-बजाना जैसी गतिविधि में बढ़चढ़कर हिस्सा लेते रहे। विश्वविद्यालय में वे सांस्कृतिक गतिविधियों में लोक नृत्य और नाटकों में भागीदारी करते रहे। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली और नेशनल स्कूल आफ ड्रामा फैकल्टी के विशेषज्ञों के सानिध्य में उन्होंने साल 2002 और 2003 में रंगमंच की कार्यशालाओं से प्रशिक्षण लिया और दो माह के अल्पकाल में रंगमच की बारीकियों को जाना। इससे वह रंगमंच की तरफ आकर्षित होकर रंगकर्मी के रूप में अपनी कला को आगे बढ़ाने लगे। करीब 28 वर्षों से रंगमंच से जुड़कर करीब 50 नाटकों का निर्देशन किया है, जबकि 15 नाटकों में अभिनय करने के अलावा कुछ वेब सीरीज और टीवी सीरियल्स में भी किरदार किया। उन्हें हरियाणा की तरफ से राष्ट्रीय नाट्य प्रतियोगिता में बतौर निर्देशक के रूप में भी काम करने का मौका मिला। उन्होंने 2003 में राज कला मंच नामक खुद की एक नाटक एनजीओ का पंजीकरण कराया और इस मंच से अब तक 14 राष्ट्रीय नाटक उत्सव चैनल थिएटर के नाम से आयोजित किए हैं। साल 2007 से 2010 के दौरान कुछ समय वे मुंबई भी रहे।

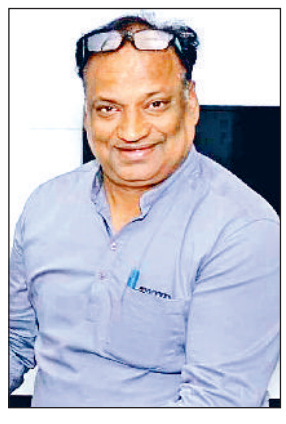

पुरस्कार एवं सम्मान

अभिनेता एवं कलाकार रवि मोहन को वर्ष 2000 में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ लोक नर्तक एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। वहीं इसी वर्ष के दौरान उन्हें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय कलर से सम्मानित किया गया। जबकि वर्ष 2007 में राष्ट्रीय स्तर पर निर्देशन के लिए स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें हरियाणा में रंगमंच प्रोत्साहन के लिए राज्यपाल पुरस्कार, रंगमंच और सांस्कृतिक गतिविधियों में अनुकरणीय समर्पण के लिए रोटरी वोकेशनल पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जैसे सैकड़ो पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

अभिनय से संजोया हरियाणा

अभिनेता एवं रंगकर्मी रवि मोहन ने नेशनल चैनल डीडी-1 पर एक और कहानी, डीडी-हिसार के लिए सबरंग, सोनी टीवी पर क्राइम पेट्रोल एवं जिंदगी के क्रॉस रोड के अलावा एमएक्स प्लेयर पर कैंपस डायरी, स्टेज ऐप पर मेरे यार की शादी है और ब्रॉडलाइन एरोप्लान (फेदर फिल्म) में विभिन्न किरदार निभाए हैं। उन्होंने दूसरा आदमी दूसरी औरत और एक शाम कहानियों के नाम, धीमा जहर, हरियाणा के क्रांतिवीर, मैकबेथ, नागमंडल, मारिया फरार, रेजांग-ला द लास्ट वार, अंधा युग, मैं कहानी हूं, कनुप्रिया, छाया के बिना आदमी के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों में विभिन्न राष्ट्रीय रंगमंच समारोहों में अपनी कला से अहम योगदान दिया। इसके अलावा उन्होंने हरियाणा के जिलों के शिक्षण संस्थानों और विभिन्न ड्रामा स्कूलों में अभिनय और डिजाइनिंग के लिए विजिटिंग फैकल्टी के लिए भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

खबर संक्षेप

पुलिस ने नशा सप्लायर को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। एसपी सिद्धांत जैन द्वारा नशा तस्करों के साथ सप्लायरों की धरपकड़ को लेकर दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए भट्टूकलां पुलिस ने राजस्थान के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान महेन्द्र पुत्र लेखराम निवासी जसाना जिला हनुमानगढ़, राजस्थान के रूप में हुई है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। थाना भट्टूकलां प्रभारी एसआई राधेश्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 1 मई को एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

नाबालिग बेटी से रेप का आरोपी पिता गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद में जाखल क्षेत्र के अपनी 13 साल की बेटी के साथ रेप करने के मामले में कार्रवाई करते हुए जाखल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान जसबीर सिंह के रूप में हुई है। इस बारे जाखल पुलिस ने 2 मई को केस दर्ज किया था। जानकारी के अनुसार पीड़िता की मां पिछले 15 दिनों से अपने मायके गई हुई थी। इस दौरान घर दौरान पिता ने बेटी के साथ रेप किया।

सड़क हादसे में आरोपी चालक काबू

फतेहाबाद। भट्टूकलां पुलिस ने गांव बनमंदौरी के पास एक मोटरसाइकिल में टक्कर मारने के मामले में कार्रवाई करते हुए कार चालक को काबू कर शामिल तफ्तीश किया है। पकड़े गए युवक की पहचान सतबीर पुत्र जयकिशन निवासी ढाबी कलां के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी एसआई राधेश्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 26 अप्रैल को गांव पीलौमंदौरी निवासी संदीप कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

चोरीशुदा मोबाइल सहित आरोपी को पकड़ा

कालांवाली। पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी गुरजीवन सिंह निवासी जगमालवाली को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से चोरीशुदा मोबाइल बरामद किया है।
कालांवाली चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि बीती 3 मई को सतीश कुमार निवासी मंडी कालांवाली की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था।
शिकायतकर्ता ने बताया था कि वह दुकान से नामालूम युवक काउंटर से उसका मोबाइल चुरा कर ले गया। पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए आज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बार-बार चुनाव कराने से समय, धन और संसाधनों की भारी बर्बादी

एक देश एक चुनाव से देश के विकास कार्यों में तेजी आएगी : डॉ. कमल

पूरे देश में लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने से खुलेंगे नए रास्ते

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गोष्ठी को संबोधित करते पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

बार-बार चुनाव होने से धन, समय और संसाधनों की बर्बादी होती हैं। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होंगे तो यह देशहित में बहुत बड़ा कदम होगा।
यह बात पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने डीएन कॉलीज रोड स्थित नारायणी देवी सेवा सदन में शहर के समाजसेवी, प्रबुद्ध वर्ग व गणमान्य लोगों की संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयोजक एक देश एक चुनाव के जिला संयोजक कृष्ण खटाना वकील ने की जबकि मंच संचालन विधानसभा संयोजक रामचन्द्र गुप्ता ने किया। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा की भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां जनता अपने मताधिकार के ज़रिए सरकार चुनती है। यहां लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर कराए जाते हैं जिससे देश में हर कुछ महीनों में कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। बार-बार चुनाव कराना समय, धन और संसाधनों की भारी बर्बादी है। इसी समस्या का समाधान है एक देश—एक चुनाव। उन्होंने कहा की एक देश, एक चुनाव का मतलब है कि पूरे देश में लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं। इससे कई फायदे हो सकते हैं। सबसे पहला फायदा यह होगा कि सरकार को बार-बार चुनाव की तैयारियों में समय और पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे, चुनाव कराने में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, जो अगर बच जाएं, तो उन पैसों का इस्तेमाल देश के विकास में किया जा सकता है। इसके अलावा, बार-बार चुनाव होने पर आचार संहिता लागू हो जाती है। इससे विकास कार्य रुक जाते हैं। जब एक साथ चुनाव होंगे, तो आचार संहिता भी एक ही बार लागू होगी और बाकी समय सरकार बिना किसी रुकावट के देश की भलाई के लिए काम कर सकेगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा जिला सह संयोजक पवन जैन, प्रवीण गुप्ता, बलवान आर्य, पार्षद सुमन यादव, विनोद धवन, पार्षद मनोहर लाल वर्मा, कप्तान नरेंद्र शर्मा, रंजीव राजपाल, प्रदीप कटारिया, विकास जैन, सुरेश गोयल धूपवाला तीनों मंडल अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, लोकेश असीजा व राहुल सैनी, कृष्ण बिश्नोई, विकास जैन, मनोज बुडाकिया, नरेश सिंघल, दीनदयाल गोरखपुरिया, सुरेंद्र सिंह सैनी, उषा सिंह कौशिक, प्रोमिला पूनिया, उमेद खन्ना, विनोद तोशावाड़ व शंकर गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

हिसार। काव्य गोष्ठी में उपस्थित कविगण। फोटो : हरिभूमि

कोई धर्म उनका तो बताए जो लड़ते हैं देश के लिए

- प्रेरणा परिवार की मासिक काव्य गोष्ठी क्रांतिमान पार्क में आयोजित की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

प्रेरणा परिवार की मासिक काव्य गोष्ठी क्रांतिमान पार्क में शुभकरण गौड़ की अध्यक्षता में हुई। मंच का संचालन जयभगवान लाडवाल ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि भीम सिंह हुड्डा थे। गोष्ठी में काव्य पाठ करते हुए ऋषि सक्सेना ने सुनाया-ओंस की बूंदों पर जब जब पड़ती है किरणें सूरज की, सतरंगी छटा की आभा को नभ तक फिर बन जाने दो। जयभगवान लाडवाल ने काव्य पाठ में कहा कि 'हिंदू लड़ता है मन्दिर के लिए, मुस्लिम लड़ता है मस्जिद के लिए, कोई धर्म उनका तो बताए जो लड़ते हैं देश के लिए। धर्मसिंह ने कुछ यूं सुनाया कि किसी के होने न होने से क्या फर्क पड़ता है। कलमकार विरेन्द्र कौशल ने सुनाया कि पानी पानी खेल रहे सब पानी के साथ, सभ्रांत परिवार भी समझ गए कहां तक साथ, आंखों तक का पानी सूख गया, इस पानी के कारण प्यार से निकले समाधान, न छूटे कोई साथ। शुभकरण गौड़ ने सुनाया कि कभी हम भी हुआ करते थे तुम्हारे मुरीद, बस तुम्हारी बेरूखी ने मुर्रादी बना दिया। इस अवसर पर बेगराज, नन्द लाल, टीएस चौहान, जवाहर लाल, रमेश सैनी, धर्मपाल, रवि कुमार आदि मौजूद थे।

लोकसभा ने किया ज्योतिषाचार्य डॉ. बलजीत शास्त्री को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

डॉ. बलजीत शास्त्री को सम्मानित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला।

राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा में एक दिवसीय ज्योतिष अधिवेशन व विद्वत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए जबकि समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय परिषद के संरक्षक व भारत के प्रसिद्ध कथावाचक डा. काष्णि भरत महाराज ने की। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मैडलिस्ट ज्योतिषाचार्य डॉ. बलजीत शान्त्री को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने 'हाड़ौती ज्योतिष गौरव सम्मान' के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान वैदिक ज्योतिष के क्षेत्र में देश-विदेश में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्री, विधायक, पूर्व मंत्रियों सहित अनेक गणमान्य राजनेता मौजूद रहे। मूल रूप से जिला जीन्द के गांव काकड़ौद व वर्तमान में हिसार के सेक्टर 21 मेला ग्राऊंड निवासी डॉ. बलजीत शास्त्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला व राष्ट्रीय विद्वत परिषद् का बहुत आभार जताया। डॉ. शास्त्री ने कहा कि हमें अपनी विधा और ज्ञान का समाज व राष्ट्रहित में निःस्वार्थ सेवा भाव से सदुपयोग करना चाहिए।

आंतरिक चेतना का जागरण है ब्रह्मनाद ध्यान : आचार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में भाग लेते साधक। फोटो : हरिभूमि

समर्थगुरु सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में समर्थगुरु संघ ने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आज संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। आज का सेशन आचार्य कृष्ण उत्सव ने लिया जिसमें उन्होंने ब्रह्मनाद ध्यान करवाया। आचार्य ने ब्रह्मनाद ध्यान करवाते हुए कहा कि ब्रह्मनाद एक आंतरिक चेतना का जागरण है और यह बहुत ही गहरा और आध्यात्मिक विषय है, जो योग और ध्यान की उस अवस्था से जुड़ा है, जहां साधक अपने भीतर के दिव्य स्वर (नाद) को सुनता है और आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ता है। यह एक शक्तिशाली ध्यान तकनीक है जिसका उद्देश्य व्यक्ति को ब्रह्मांडीय चेतना से जोडना है। यह ध्यान हमें अपनी सीमित पहचान से परे जाकर, संपूर्ण ब्रह्मांड के साथ एकाकार होने का अनुभव कराता है। इसे अक्सर विस्तार का ध्यान या अनंतता का ध्यान भी कहा जाता है। ये ध्यान करने से मनुष्य को सीमित पहचान से मुक्ति मिलती है और एकात्मता का अनुभव होता है। इस ध्यान को करने से शांति और आनंद की प्राप्ति के साथ भय और चिंता से मुक्ति मिलती है। जब हम स्वयं को ब्रह्मांड का एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं, तो मृत्यु का भय और जीवन की छोटी-मोटी चिंताएं कम होने लगती हैं। आज सभी ने ध्यान को बहुत ही सहज तरीके से किया और अपने आप को बहुत ही ऊर्जावान महसूस कर रहे थे। ब्रह्मनाद ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है। यह ध्यान प्रणाली शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रभावी मानी जाती है, लेकिन इसे अनुभव करने के लिए धैर्य, समर्थन और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

बागवानी विभाग राइपनिंग चेंबर के लिए दे रहा 35 प्रतिशत तक अनुदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

प्रदेश सरकार द्वारा बागवानी के क्षेत्र को बढ़ाने के लिये विशेष अनुदान योजना लागू की गई है। इसमें राईपनिंग चेंबर (केला पकाने का गोदाम) पर एक लाख रूपये प्रति मीट्रिक टन लागत के आधार पर 35000 रुपये प्रति मीट्रिक टन के हिसाब से अनुदान राशि दी जा रही है। जिला बागवानी अधिकारी कुलदीप श्योराण ने बताया कि योजना के तहत अधिकतम 300 मीट्रिक टन तक प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रति लाभार्थी दिए जाते है। बागवानी स्कीम का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल https://khushalbagwani.hortharyana.gov.in/ पर पंजीकरण व पूर्ण दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। आनलाईन पंजीकरण के माध्यम से पहले आओ व पहले पाओ के आधार पर प्राथमिकता दी जाएगी। जिला में उपरोक्त योजना का लाभ लेने के इच्छुक जिला बागवानी अधिकारी कुलदीप श्योराण के मोबाइल नंबर 9813200625 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

भाविप ने रखे पानी के सकोरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। क्रांतिमान में पक्षियों के लिए पानी के सकोरे लगाते शाखा के सदस्य।

भारत विकास परिषद चन्द्रशेखर आजाद शाखा ने शहर के क्रांतिमान पार्क में पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखे। शाखा के अध्यक्ष रोहतास कुमार ने कहा कि इस भीषण गर्मी में पानी के बिना पक्षी बेहाल हो जाते हैं और उनके लिए पानी की व्यवस्था करना हमारी नैतिक जिम्मेवारी है। इसी उद्देश्य से भाविप चन्द्रशेखर आजाद शाखा ने क्रांतिमान में पानी के सकोरे रखे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हमें पर्यावरण व प्रकृति के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे भी लगाने चाहिएं। उन्होंने बताया कि शाखा द्वारा जल्द ही पौधारोपण अभियान भी चलाया जाएगा। यहां अध्यक्ष रोहतास कुमार के अलावा हवासिंह मास्टर, सतपाल शर्मा, नरेश भारद्वाज, सुनील दत्त, धीरज शर्मा, अरुण वरुण व विनय आदि मौजूद रहे।

गृहमंत्री से मुकदमा दर्ज करने व जल विवाद में हस्तक्षेप करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

योगेन्द्र शर्मा।

भगवान परशुराम जन सेवा समिति के संस्थापक व अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े योगेन्द्र शर्मा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है जिसमें उन्होंने जल विवाद के मुद्दे पर साफ तौर पर कहा कि पानी के लिये पंजाब में कत्ल हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद का हल बातचीत द्वारा ही संभव होता है। बातचीत से पहले ही कत्ल तक की बात सार्वजनिक रुप से कहना हिसंक कार्रवाई को जन्म देता है। योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि जिम्मेदारी के पद पर बैठकर ऐसी बातें करना एक मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। योगेन्द्र शर्मा ने देश के गृह मंत्री से इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान देने वाले मुख्यमंत्री पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने व तुरंत हस्तक्षेप करके जल विवाद का हल निकालने का अनुरोध किया है। राज्य के अनेक हिस्सों में पानी की भारी किल्लत चल रही है।

राजेश हिन्दुस्तानी 14 वर्षों से जला रहे देशभक्ति की अलख

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। लगातार 14 वर्षों से तिरंगा थामकर जागरूकता फैला रहे राजेश हिन्दुस्तानी।

'जागो मानव-बनो इंसान' के अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता गंगापुत्र राजेश हिन्दुस्तानी को अपने हाथ में तिरंगा झंडा थामे हुए लगातार 14 वर्ष पूरे हो गए हैं। वर्ष 2011 में अन्ना आंदोलन से ही पिछले 14 वर्षों से वे लगातार कई घंटों तक झंडा हाथ में थामे रहते हैं। राजेश हिन्दुस्तानी आठ राज्यों में लाखों लोगों में राष्ट्रभक्ति की अलख जगा चुके हैं और लोगों को समाज व देश की सेवा के प्रति जागरुक कर चुके हैं। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति उनके अभियान को देखते हुए मोदी सरकार ने 'हर घर तिरंगा अभियान' चलाया। राजेश हिन्दुस्तानी बेहद मुश्किल हालात में 14 साल से लगातर कई घंटे तिरंगा झंडा हाथ में थामे हुए हैं। इसके लिए हिसार के लोगों ने हिन्दुस्तानी को बधाई दी। राजेश हिंदुस्तानी ने इसे अपनी माता श्रीमती गंगा देवी को नमन करते हुए और अपने पूरे परिवार अपने पिता, भाइयों तथा सब रिश्तेदारों और हिसार का सम्मान बताया। राजेश हिन्दुस्तानी ने अपने गुरु व शाह सतनाम महाराज तथा माता गंगा देवी की प्रेरणा से उन्होंने अपना जीवन को इंसानियत, मानवता की सेवा में लगाने का संकल्प लिया।

इनेलो ने किया जिला इकाई का विस्तार, प्रदर्शन कल

हिसार इनेलो जिला इकाई संगठन का विस्तार किया गया है। जिला अध्यक्ष सतपाल काजला ने वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श के बाद जिला के 6 हलका प्रधान नियुक्त किए हैं। नलवा हलका से तेलूराम सरपंच, आदमपुर से जंगबहादुर पचार, बरवाला से सत्यवान राजली, उकलाना से राजकुमार सरपंच, नारनौंद से राजेश उर्फ बिल्लू, हिसार से चरण सिंह को हलका प्रधान की जिम्मेवारी दी गई है। महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष ललिता टांक, किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राजीव राजा और पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुभाष टांक को बनाया गया है।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरी, खेलकूद, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं तकनीक, पर्यावरण, आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चे/युवा जिनकी आयु 31 जुलाई को 5 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक हो, को वर्ष 2026 के जनवरी माह में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी।
उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि बाल पुरस्कार में विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 25 बच्चों का चयन किया जाएगा। पुरस्कारों में एक मैडल सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने चयन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा प्राप्त आवेदनों की छंटनी की जाएगी। उसके उपरांत फाइनल नामों का सिलेक्शन नेशनल कमेटी द्वारा किया जाएगा। डीसी ने बताया कि राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, जिला मजिस्ट्रेट, पंचायती राज संस्थाएं, सभी केंद्रीय और राज्य स्कूल बोर्ड, केंद्रीय विद्यालय संगठन नॉमिनेट कर सकते हैं।

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र आयोजित, साधकों ने भगवान बुद्ध के संदेश को समझा

ओशो ने संचित प्रवचनों में स्पष्ट किया, गौतम बुद्ध ने जितने हृदयों की वीणा को

महात्मा बुद्ध ने लोगों को जगाया और परमात्मा की तरफ मोड़कर नई दिशा दिखाई : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

ओशो ध्यान उपवन में भगवान बुद्ध के संदेश पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लेकर भगवान बुद्ध की बाणी को समझा और ध्यान साधना का अभ्यास किया। साधकों को संबोधित करते हुए स्वामी संजय ने कहा कि गौतम बुद्ध ने लोगों को जगाया और परमात्मा की तरफ मोडक़र नई दिशा दिखाने का काम किया। उन्होंने अधिक विचारमान, विविध विषयों की समझ रखने वाले और बुद्धिमान लोगों को विश्लेषण के माध्यम से समझाया और मानव जीवन की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया।
स्वामी संजय ने बताया कि 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा है। उसकी शुरूआत भगवान बुद्ध के संदेश पर आधारित ध्यान सत्र के साथ की गई। बुद्ध के संदेश को अपने भीतर उतारने के प्रयास के साथ 11 मई को ओशो ध्यान उपवन में बुद्ध पूर्णिमा धूमधाम से मनाई जाएगी।
स्वामी संजय ने बताया कि सतगुरु ओशो ने अपने संचित प्रवचनों में गौतम बुद्ध को हिमाच्छादित हिमालय की संज्ञा देकर सम्मान दिया है। ओशो ने कहा कि गौतम बुद्ध हिमाच्छादित हिमालय के जैसे हैं। हिमाच्छादित पर्वत और भी हैं लेकिन हिमालय अतुलनीय है। हिमालय केवल हिमालय जैसा है और बुद्ध केवल बुद्ध जैसे हैं। पूरी मनुष्य जाति के इतिहास में वैसा महिमापूर्ण नाम दूसरा नहीं है। गौतम बुद्ध ने जितने हृदयों की वीणा को बजाया है उतना किसी और ने नहीं। गौतम बुद्ध के माध्यम से जितने लोग जागे और जितने लोग परम भगवत्ता को उपलब्ध हुए उतने किसी और के माध्यम से नहीं।

ओशो के प्रवचन बताए

सतगुरु ओशो ने संचित प्रवचनों में समझाया है कि हृदय से भरे हुए लोग सुगमता से परमात्मा की तरफ चलते जाते हैं लेकिन हृदय से भरे हुए लोग कहां हैं। बुद्ध ने उनको चेताया जिनको चेतना सर्वाधिक कठिन है, विचार से भरे लोग, बुद्धिवादी, चिंतन व मननशील लोग। प्रेम और भाव से भरे लोग तो परमात्मा की तरफ सरलता से झुक जाते हैं। उनसे कोई न भी कहे तो भी वे पहुंच जाते हैं, उन्हें पहुंचाना नहीं पड़ता लेकिन वे बहुत थोड़े हैं और उनकी संख्या रोज थोड़ी होती गई है।

पानी पर ओछी राजनीति कर रही पंजाब सरकार : प्रोमिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

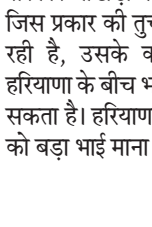

भाजपा नेत्री प्रोमिला पूनिया।

भाजपा की वरिष्ठ नेत्री प्रोमिला पूनिया ने आरोप लगाया है कि पंजाब की भगवंत मान सरकार पानी के मसले पर ओच्छी व गंदी राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि भाखड़ा के पानी पर हरियाणा का भी हक है और यह उसे हर हाल में मिलेगा। प्रोमिला पूनिया ने कहा कि पानी की राजनीति करने वालों को मुंह की खानी पड़ती है। जिस तरह दिल्ली में केजरीवाल सरकार को जनता ने जवाब दिया उसी तरह पंजाब में भी आम आदमी पार्टी का हाल होगा। भाजपा नेत्री ने कहा कि आज तक के इतिहास में पीने के पानी को लेकर कोई विवाद नहीं हुआ है। यह निम्न स्तर की राजनीति है, क्योंकि चुनाव आ गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा का पानी रोकने का कोई हक नहीं है क्योंकि भाखड़ा बांध का एरिया केंद्र सरकार के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा अपने हिस्से का पानी न किसी को देगा और ना किसी किसी ले रहा है बस अपने हिस्से का पानी ले रहा है।
प्रोमिला पूनिया ने कहा कि मान सरकार भाखड़ा के पानी को लेकर जिस प्रकार की तुच्छ राजनीति कर रही है, उसके कारण पंजाब व हरियाणा के बीच भाईचारा खराब हो सकता है। हरियाणा में सदैव पंजाब को बड़ा भाई माना है।

खबर संक्षेप

जयसिंह बलौदा ने लड्डू बांट मनाई खुशी

उकलाना मंडी। प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री अनूप धानक के आवास पर मंडल सचिव बनने पर जय सिंह बलौदा ने लड्डू खिलाकर मुंह मीठा करवाया। उन्होंने हाईकमान का भी आभार व्यक्त किया। जय सिंह बलौदा ने कहा कि जो उनको जिम्मेदारी सौंपी गई है उसको बखूबी निभाने का प्रयास करेंगे। पूर्व मंत्री अनूप धानक ने कहा कि भाजपा का संगठन पहले भी मजबूत था और नई कार्यकारिणी बनने के बाद और अधिक मजबूती से संगठन काम करेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा में तीन मंडल थे अब चार मंडल बनने पर भाजपा और अधिक मजबूती से काम करेगी।

जाट धर्मशाला में महापंचायत 10 को

हिसार। भारतीय किसान यूनियन संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष दलजीत पंघाल ने कहा है कि जाट धर्मशाला 10 मई को जाट धर्मशाला महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसमें एक राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक संगठ्रन की घोषणा की जाएगी। इसमें 25 महिलाओं को संगठन में शामिल किया जाएगा। दलजीत पंघाल ने जाट धर्मशाला में प्रेस वार्ता में कहा कि निजी अस्पतालों के रेट को लेकर मनमानी चल रही है, चिकित्सको व अस्पताल के मुंह मांगे रेट मांगने से जनता परेशान है, ओपीडी फीस 50 रुपये होनी चाहिए और चिकित्सकों की अस्पतालों में राउंड फीस नहीं होनी चाहिए।

ट्रक से कुचलने पर चालक की मौत

बरवाला । क्षेत्र के गांव खेदड़ में गेहूं के गोदाम की तरफ जाने वाले रोड टी प्वाइंट पर एक ट्रक ने पैदल जा रहे एक ट्रक चालक को कुचल दिया जिससे उस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतक चालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मृतक चालक के लड़के पंजाब के मानसा जिले के कुलरिया निवासी राजबिन्द्र के बयान पर अज्ञात ट्रक चालक के केस दर्ज किया है। मृतक के लड़के राजबिन्द्र ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसका पिता ट्रक चालक जीवन शर्मा (43) गेहूं से भरे ट्रक को गांव खेदड़ के पास बने गेहूं के गोदाम में खड़ा करके खाना खाने के लिए बरवाला अग्रोहा रोड पर बने ढाबे पर आ गया। ढाबे से खाना खाकर जब वो वापस गेहूं के गोदाम की तरफ जा रहा था तो बीच रास्ते टी-प्वाइंट पर अज्ञात ट्रक चालक ने जीवन को चपेट में ले लिया।

बदरंग दीवार को टेराकोटा पेंट से चमकाया

हिसार। 'हमारा प्यार-हिसार' ने शहर को सुंदर बनाने की मुहिम के तहत दिल्ली रोड पर विद्युत नगर के शॉपिंग सेंटर की बाहरी दीवार पर टेराकोटा पेंट कर उसे सुंदर रूप दिया। यहां फुटपाथ पर काफी कचरा बिखरा हुआ था, उसे भी संस्था की टीम ने साफ किया। इस कार्य के लिए संस्था को जेएसडब्ल्यू पैंट्स के सौजन्य से पैंट्स उपलब्ध करवाए गए। बाइकर्स ग्रुप के सदस्य भी डॉ. अरुण अग्रवाल के नेतृत्व में साइट पर पहुंचे। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज सोनी, डॉ. मंगलसेन मलिक शामिल रहे।

जॉर्डन में लहराया भारत का परचम, ग्रामीणों ने पलकों पर बैठाई गोल्डन गर्ल

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर लौटी सुनैना का भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। स्वर्ण पदक विजेता सुनैना का नोटों की मालाएं पहनाकर स्वागत करते ग्रामीण।

जॉर्डन में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गांव कुम्भा की सुनैना ने 61 किलो भार में सेमीफाइनल में यूक्रेन की खिलाड़ी सोफिया को 4-1 व फाइनल में कजाकिस्तान की खिलाड़ी एलेन को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। पदक विजेता खिलाड़ी सुनैना का हांसी से कुंभा गांव तक खुली जीप में ले जाया गया और दौरान विभिन्न स्थानों पर सुनैना का नोटों व फूल मालाओं सहित चांदी की गद्दा व चांदी का मुकुट पहना कर गोल्डन गर्ल का स्वागत किया।

रोड शो के दौरान सामाजिक संस्थाओं लोकहित मंच, भारत विकास परिषद, जेसीआई व उम्मीद फाउंडेशन सहित अन्य संस्थाओं ने गोल्डन गर्ल सुनैना को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। समाजसेवी नवीन कौशिक ने बताया सुनैना हांसी उपमंडल के गांव कुम्भा की निवासी है सुनैना के पिताजी सोनीपत में लिटिल एंजिल्स बॉक्सिंग अकादमी बॉक्सिंग अकादमी के कोच है जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपनी बेटी को इस काबिल बनाया।

इस अवसर पर पदक विजेता सुनैना ने कहा कि आप लोगों ने मुझे आज जितना मान सम्मान व अपार आशीर्वाद दिया है तो मैं आप सभी को विश्वास दिलाती हूं कि आने वाले भविष्य में मेरा अगला लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक प्राप्त करने का होगा और मैं अपने गांव का अपने प्रदेश और देश का नाम रोशन करुंगी। इस अवसर पर सुनैना के पिता रोहतास ने गांव में खेल और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपना संपूर्ण सहयोग देने का वादा क्या और एक लाख रुपए का सहयोग बच्चों की शिक्षा में खेलों को बढ़ावा देने के लिए गांव को दिया।

इस अवसर पर गांव के सरपंच योगेश दलाल जमावड़ी से सरपंच प्रतिनिधि सुमेर यादव, आशीष आर्य, अध्यक्ष बलराज सभरवाल, डीडीपीओ रविन्द्र दलाल, कोच संदीप गौतम ओम प्रकाश नरवाल, प्रोफेसर रामगोपाल, पूर्व सरपंच दशरथ दलाल, सोनू दलाल, संदीप दलाल, जगत सिंह दलाल, राजेंद्र दलाल, मास्टर शिवकुमार, लीला पहलवान, शमशेर पहलवान, जनरल पहलवान, रघुवीर पहलवान, ईश्वर फौजी, संदीप कौशिक, कर्मवीर पहलवान, मंगत शर्मा मौजूद रहे।

हांसी। भूमिका-खेल व रोल प्ले प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती स्कूल प्राचार्या ऋतू सिंह।

एसडी मार्डन पब्लिक स्कूल में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल परिसर में इंटर क्लास भूमिका-खेल व रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एलकेजी व युकेजी के विद्यार्थियों ने भाग लिया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने डॉक्टर, टीचर, किसान, सब्जीवाला, दूध वाला, किरयाना विक्रेता, कपड़ा व्यापारी, पुलिस, वकील, एनसीसी कैडेट, जज, आईपीएस ऑफिसर, फौजी व कलैक्टर आदि की पोशाकों को धारण कर उनके चरित्र में उतरने की कोशिश की। प्रतियोगिता में एलकेजी से देवांश प्रथम, जियाना द्वितीय व इनाया तृतीय तथा युकेजी से उर्वी ने प्रथम, वेदांत व ईशानवी द्वितीय तथा रणविजय तृतीय स्थान पर रहे।

प्राचार्या ऋतु सिंह ने विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल-खेल में बच्चे सामाजिक तौर पर विभिन्न प्रकार के व्यक्तित्वों से जुड़े तथा आने वाले भविष्य के लिए भी लक्ष्य निर्धारण की ओर एक कदम अग्रसर हुए।

सृष्टि फाऊंडेशन चाइल्ड एंड वूमेन वेलफेयर सोसाइटी ने मनाया फायर फाइटर दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। डायरेक्टर सुधीर नूर मुख्य अतिथि और वक्ताओं को सम्मानित करते हुए।

सृष्टि फाउंडेशन चाइल्ड एंड वूमेन वेलफेयर सोसायटी हरियाणा के तत्वावधान में वार्ड नंबर 8 वाल्मीकि चौपाल में फायर फाइटर दिवस मनाया गया। सोसायटी के डायरेक्टर सुधीर नूर ने बताया कि इस कार्यक्रम में जरुरतमंद बच्चों को निःशुल्क स्कूल स्टेशनरी वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेविका राज बाला नैन ने शिरकत की और अध्यक्षता समाजसेवी सतपाल बरवाला ने की। मुख्य वक्ताओं में समाजसेवी सेवानिवृत जिला अधिकारी दमकल केंद्र दलबीर सिंह नैन और मास्टर भगवान दास तथा समाजसेवी मास्टर ईश्वर सिंह मौजूद रहे। मुख्य वक्ता सेवानिवृत जिला अधिकारी दमकल केंद्र दलबीर सिंह नैन ने अपने संबोधन में फायर फाइटर दिवस पर प्रकाश डाला। इस दौरान सोसाइटी द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी मास्टर नरेंद्र, विक्रम बरूट, तरसेम टाक, राहुल, सुमित अटवाल, रेखा रानी, शांति देवी, हंसराज, प्रवीण, अंगूरी देवी, ऊषा रानी, काजल वर्मा मौजूद रहे।

हेल्थ चेकअप कैंप में 300 ग्रामीणों के स्वास्थ्य और आंखों की जांच, निशुल्क लैंस डलवाया जाएगा

कस्तूरी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा मंगाली आकलान में लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

कस्तूरी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से रविवार को पूज्य मां स्व. कस्तूरी देवी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मंगाली आकलान के कस्तूरी मेमोरियल ट्रस्ट भवन में एक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में 300 लोगों के स्वास्थ्य व आंखों की जांच की गई। ट्रस्ट की तरफ से मिशन हॉस्पिटल, अंबाला में सभी मरीजों को फ्री में लेंस डलवाया जाएगा जिसमें आने जाने से लेकर सभी सुविधाएं फ्री दी जाएगी। कैंप में मिशन अस्पताल अंबाला और डॉ. कुलदीप बराड़ा की टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। शिविर का उद्घाटन प्रसिद्ध गौभक्त एवं समाजसेवी राजेन्द्र गावड़ ने किया। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए राजेन्द्र गावड़ ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक संस्थाओं द्वारा लगाए जाने वाले इस प्रकार के शिविरों से आमजन को बहुत फायदा मिलता हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर हमेशा से ही जागरूक रहें हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य इस धरती का सबसे पहला और परम सुख हैं। हम सबको चाहिए की हम अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक जरूर रहे क्योंकि एक स्वस्थ मनुष्य ही स्वस्थ समाज का निर्माण करता हैं। वहीं डॉ. कुलदीप बराड़ा ने कहा कि कस्तूरी मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा समय समय पर आयोजित इस प्रकार कि गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बहुत लाभ मिलता हैं। उन्होंने कहा की हम सबको स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहना चाहिए।

हिसार। कैंप में आए अतिथियों का स्वागत करते आयोजक।

ग्रीन ग्लोबल ग्रुप के कार्यकर्ता सम्मानित

पर्यावरण को हरा-भरा रखने में उल्लेखनीय योगदान देने पर सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। एसोसिएशन द्वारा सम्मानित होने वाले ग्रीन ग्लोबल ग्रुप के कार्यकर्ता।

मिल गेट सहित आसपास के अनेक क्षेत्रों को पिछले कई वर्षों से हरा-भरा रखने पर सेक्टर 1-4 की रेजिडेंट वैलफेयर एसोसिएशन ने ग्रीन ग्लोबल ग्रुप के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया है। ग्रुप के साथियों ने रोजाना सुबह जल्दी उठकर घंटों लगाकर पर्यावरण को बनाये रखने में पूरा सहयोग दिया है।

ग्रुप के सदस्य हरिसिंह ने बताया कि पिछले 6 सालों में दर्जन भर साथियों ने मिल गेट क्षेत्र के साथ सेक्टर 1-4 व 3-5 में स्वच्छता और पौधारोपण का कार्य करते हुए लगभग 20 हजार पौधे लगाये। सभी साथियों ने सुबह 5 बजे से 8:30 बजे तक शहर में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेरों को हटाकर उस स्थान को हरियाली में तबदील किया। अब हालात यह हैं कि ग्रुप के साथियों द्वारा लगाये गये पौधे अब वृक्ष का रुप ले चुके हैं। इन स्थानों पर वातावरण पूरी तरह शुद्ध हो गया है। ग्रुप को नगर वासियों के साथ-साथ प्रशासन का भी पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। ग्रीन ग्लोबल ग्रुप में हरिसिंह के अलावा खजानाराम, माया देवी, राजकुमार, मा. दीपक, पंकज शर्मा, बजरंग, कुलदीप, पवन कुमार, प्रेम ठाकुर, मनिंद्र सिंह, संजीव अवस्थी, अंजलि, योगेश सिंधु, सुरेन्द्र कुंडू, सौरभ मौजूद रहे।

क्रेडिट कार्ड का वार्षिक चार्ज माफ करवाने के नाम पर एक लाख 91 हजार ठगे, काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार साइबर थाना पुलिस ने क्रेडिट कार्ड का वार्षिक चार्ज माफ करवाने के नाम पर की गई एक लाख 91 हजार 105 रुपए की ठगी मामले में तीसरे मुख्य आरोपी उत्तम नगर दिल्ली निवासी योगेश को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई संदीप ने बताया कि उपरोक्त आरोपी योगेश वारदात का मुख्य आरोपी है। यह क्रेडिट कार्ड का वार्षिक चार्ज माफ करवाने के नाम पर लोगों के पास फोन करता और ठगी की वारदात करता था। इस मामले में कमीशन पर काम करने वाले दो आरोपियों लुधियाना निवासी ज्ञानेन्द्र प्रताप और द्वारका दिल्ली निवासी बृजेशपाल को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में शिकायतकर्ता से क्रेडिट कार्ड का वार्षिक चार्ज माफ करवाने के नाम पर ठगी गई एक लाख 91 हजार 105 रुपए की धनराशि ज्ञानेंद्र प्रताप के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की गई जिसे ज्ञानेंद्र ने बृजेशपाल के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की। इस संबंध में थाना साइबर में एनसीसीआरपी पोर्टल से ठगी की शिकायत प्राप्त हुई थी।

हिसार। पकड़ा गया ठगी का आरोपी।

प्रदेश में शहीदों के नाम पर हों गांव

- समिति ने की मांग, मुगलों के नाम पर जो गांव हैं, उने नाम बदले जाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

क्रान्तिकारी शहीद भगत सिंह संगठन समिति के प्रधान सरदार कृष्ण इलावादी, किशोरी नागपाल, डॉ. मुन्ना अरोड़ा, कर्मवीर पुठ्ठी व कमलेश रंगा ने कहा है कि समिति लम्बे समय से मांग करती आ रही है कि हरियाणा में जिन गांवों के नाम मुगलों के नाम पर आज भी है उन गांवों के नाम बदलकर शहीदों के नाम पर रखे जाएं। इससे उन गांवों के बड़े बुजुर्गो व बच्चों को इस बात का फक्र होगा कि इन शहीदों ने हमारे देश को आजादी दिलाई और आजादी की लड़ाई में हंसते-हंसते अपनी जानें कुर्बान कर दी।

प्रधान सरदार इलावादी ने कहा कि हरियाणा सरकार में चार जिलों के गांव के नाम बदलकर भगवान के नाम पर व हिन्दूओं के नाम पर रखे है इस सराहनीय कार्य के लिए समिति हरियाणा सरकार का स्वागत करती है तथा आशा करती है कि आगे भी हरियाणा सरकार इसी तर्ज पर मुगलों के नाम पर जिन गांवों के नाम है उन नामों को हटाकर देश के शहीदों के नाम पर रखेगी ताकि युवाओं में देश-प्रेम की भावना जागृत हो और इतिहास में इन शहीदों का नाम अमर हो सके।

इस अवसर पर रामसरूप खट्टर, महिला प्रधान शमां मल्होत्रा, कमलेश रंगा, हमेश खुराना, अजय भारद्वाज, सन्नी नायक आदि भी उपस्थित थे।

एसोसिएशन ने लोगों के सामने रखा लेखा-जोखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। सेक्टर 1-4 वेलफेयर एसोसिएशन की सभा में उपस्थित पदाधिकारी।

शहर के सेक्टर 1-4 वेलफेयर एसोसिएशन की आम सभा की बैठक सेक्टर के शॉपिंग कॉम्पलैक्स पार्किंग में हुई। बैठक में प्रधान दीपक सूरा व महासचिव सलाऊदीन कागदाना ने वर्तमान कार्यकारिणी की तीन सालों की प्रगति रिपोर्ट व लेखा जोखा सभी सेक्टरवासियों के सामने प्रस्तुत किया। आम सभा में एसोसिएशन द्वारा सेक्टर 1-4 व साथ लगते अन्य सेक्टरों व कॉलोनियों के मुख्य मार्गों पर ग्रीन ग्लोबल के अंतर्गत पर्यावरण सरंक्षण व हरियाली से संबंधित बेहतरीन काम करने वाले मास्टर हरिसिंह व उनकी टीम को उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बैठक में नई कार्यकारिणी के चुनावों के लिए 25 मई की तारीख निर्धारित की गई। चुनाव के लिए रिटायर्ड लेखा अधिकारी रोहताश भारद्वाज को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। बैठक में वेदप्रकाश बूरा, धर्मपाल ढुल, हनुमान प्रसाद बिश्नोई, राजकुमार रेड्डू, बलवंत पूनिया, किशनाराम खिचड़, मामनराम, सुरेंद्र मलिक, सतीश पूनिया, बलवान सिंह, कुलदीप पहल, जगबीर सिंह मौज्दू रहे।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग की कार्यकारिणी बैठक रही अहम : सुरेंद्र कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

- कांग्रेस पिछड़ा वर्ग नेता सुरेन्द्र कुमार का

दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन में हुई कांग्रेस पिछड़ा वर्ग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक काफी अहम रही। लगभग चार घंटे चली इस बैठक में पूरे देश से कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के नेताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस एससी, ओबीसी, एसटी, अल्पसंख्यक विभागों के इंचार्ज छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी के. राजू और कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के नवनियुक्त चेयरमैन डॉ. अनिल जयहिंद ने की। बैठक में भाग लेकर लौटे कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग ने एक विज़न डॉक्यूमेंट जारी किया है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सामाजिक भागीदारी और संविधान रक्षक मुहिम को मजबूती देने के लिए पिछड़ा वर्ग की भूमिका का जिक्र है। उन्होंने बताया की बैठक में देशभर में कांग्रेस ओबीसी विभाग द्वारा कांग्रेस की मजबूती के लिए किए जा रहे काम पर विस्तृत चर्चा हुई और भविष्य में प्रत्येक राज्य में संगठक के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा पिछड़ों की सामाजिक भागीदारी की मुहिम को मजबूत करने के लिए लोगों के बीच जाकर ज़्यादा से ज़्यादा सहयोग जुटाने का आह्वान किया गया।

भाजपा सरकार द्वारा जातिगत जनगणना करवाने के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सुरेंद्र कुमार ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने देश को भरोसा दिलाया था कि देश की बेहतरी और वंचित समाजों को उनका हक दिलवाने के लिए हम जातिगत जनगणना करवाकर रहेंगे।

कार्यक्रम | वर्ल्ड लाफ्टर डे पर हास्य को जीवन का हिस्सा बनाने का किया आह्वान

हंसी-खुशी के माहौल के बीच मनाया विश्व हास्य दिवस, पूरा दिन गूंजते रहे ठहाके

- हास्य को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और तनाव मुक्त रहें : डॉ. संदीप कलियाणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। विश्व हास्य दिवस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी व उपस्थित अतिथिगण।

विश्व हास्य दिवस पर संपूर्ण हेल्थ रिसोर्ट में हंसी-खुशी के माहौल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संपूर्ण हेल्थ रिसोर्ट हंसी के ठहाकों से गूंजता रहा और हास्य को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्ध पैरा एथलीट एकता भ्याण, चुटकुला सम्राट आजाद सिंह दुहन, गायक सोमेश जोशी, शेयर बाजार सलाह विशेषज्ञ अमित गर्ग, गुजवि के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रविंद्र कुमार व कार्यक्रम के आयोजक प्रसिद्ध फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. संदीप कलियाणा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही लीलू मास्टर, संजीव भाटिया, सुषमा भाटिया, समीर गर्ग, डॉ. बिनायक छाबड़ा, संजय, पवन कुमार, डॉ. रमेश, राजकुमार, राजबाला, शुभम, ऋषि खत्री, अंकुर, जयप्रकाश व संदीप सर्राफ सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर चुटकुला सम्राट आजाद सिंह दुहन ने अपने चुटीले अंदाज में गुदगुदाया और हास्य के महत्व को स्पष्ट किया। एकता भ्याण ने हर परिस्थिति का सामना करने का आह्वान किया और कहा कि हर विषम परिस्थिति का हंसते-हंसते सामना करना चाहिए। इस दौरान भीख नहीं किताब दो संस्था के बच्चों ने एकल व सामूहिक नृत्य करके समां बांध दिया। इन बच्चों ने महाभारत के प्रसंगों पर आधारित नृत्य प्रस्तुत से मन मोह लिया।